[Shri Shridhar Wasudeo Dhabe]

Therefore, I demand that the matter must be inquired into fully and the DDA should be directed: (a) to pay interest on the deposit received from the societies towards land cost until NOC is issued just as in the case of other schemes, interest is paid by the DDA on deposits till the flat is allotted; (b) to give alternative land to those societies which could not be given NOC for the land allotted earlier due to stay orders from the courts; and (c) to refrain from considering fresh applications for land from cooperative societies until alternative land with clean title and NOC is given to all the societies which had deposited the money two years ago. I also demand, Madam, that this matter should be fully inquired into by the Government and the House must be apprised of the situation when we meet in the next session. Thank you.

5.00 P.M.

REFERENCE TO THE ALLEGED EMBEZZLEMENT OF HUGE SUMS OF MONEY IN THE NATIONAL TEXTILE CORPORATION OF INDIA, EASTERN SUBSIDIARY BRANCH

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : महोदया, मैं भारत सरकार का ध्यान टेक्सटइल कारपोरेशन आफ इंडिया की इस्टर्न सबसिडियरी ब्रांच जिसका हैड आफिस कलकत्ता में है, उसकी दयनीय हालत की तरफ और किस तरह से उसके अभी सी० एम० डी० चले गये हैं, उन्होंने लूट को है पैसे की, उस पर आकर्षित करना चाहता हूं । मिस्टर बैनर्जी उसके सी०एम०डी० थे और बैनर्जी फरवरी महीने के पहले रिटायर हो गये, उनका कार्यकाल नहीं बढ़ाया गया । इसके लिये श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह जो कामर्स मिनिस्टर हैं, बधाई के पात्र हैं कि हैवी प्रैशर के बावजूद ऐसे करप्ट और भ्रष्ट सी एम०डी० के कार्यकाल को नहीं बढ़ाया बल्कि उनको रिटायर कर दिया । उन्होंने इनको छुट्टी दे दी । लेकिन जाते-जाते उस आदमी ने सबसिडियरी को बिल्कुल उलटा करके रख दिया है । पहले तो उसने ऐसा किया कि जो एक कोआपरेटिव सोसाइटी है, आदर्श कोआपरेटिव सोसाइटी जो होलसेल और रिटेल डीलर है, पटना की रजिस्टर्ड है और जो मिस्टर प्रदीप जैन इसके कार्यकर्ता हैं इनके नाम से इस आदमी के बिना आर्डर के माल भेजा ।

श्री लाडली मोहन निगम (मध्य प्रदेश) : पटना में कितनी ऐसी कमेटियां हैं, यह बताइये ।

श्री रामानन्द यादव : यह छोड़िये, इन सब विषयों में नहीं जाना चाहता । तकरीबन एक करोड़ 40 लाख रुपये का कपड़ा, कंट्रोल्ड क्लाथ बिना आर्डर के श्री प्रदीप जैन को सप्लाई कर दिया । इस कपड़े का कहीं जिक्र नहीं है । इनवायस मेरे पास है । बंगाल लक्ष्मी कौटन मिल है–तकरीबन 30 लाख, सेन्ट्रल काटन मिल–तकरीबन 40 लाख के, रामपूरिया काटन मिल–21 लाख की, इस तरह से एक-एक का इनवायस मेरे पास हैं जो कि पेमेन्ट नहीं हुई । प्रदीप जैन ने कोई आर्डर नहीं दिया लेकिन इसने कपड़ा डिसपैच कर दिया । इस आदमी ने, सी०एम०डी० ने इन कपड़ों को पहले ही बेच दिया था, पैसा अपने पास रख लिया था और एडवांस उसके नाम चढ़ा दी । अब उसके रिकवर होने की संभावना नहीं है । इसके साथ-साथ उस आदमी ने क्या किया कि जितनी काटन मिल्स हैं उनके माडर्नाइजेशन के लिये 36 करोड़ रुपया भारत सरकार ने दिया है, चार करोड़ रुपया जाते-जाते उसने माडर्नाइजेशन के नाम पर विद-इन 15 दिन में विड्रा कर लिया । उसको जो ड्रा किया है वह बैंक खाते में है, सारे चार्जेज हैं । कमेटी बैठी थी, बोर्ड आफ डायरेक्टर्स उसके बैठे थे, उन्होंने खोज की और उस पर छानबीन कर रहे हैं । यही

नहीं उस आदमी ने दो करोड़ का जो कंट्रोल्ड क्लाथ है उसको हैदराबाद के व्यापारी के नाम से ऐसे ही दे दिया, बेच दिया। उसका भी कहीं पता नहीं है। दो करोड़ के कपड़े का कहीं पता नहीं है। एक व्यापारी बनारस का रहने वाला है, एक व्यापारी हैदराबाद का रहने वाला है, दोनों का कहीं जिक्र नहीं है कहीं पता नहीं है। उनका कोई एड्रैस नहीं है। लेकिन उनके नाम पर दो करोड़ रुपये का कपड़ा दे दिया है।

[उपसभापति महोदय पीठासीन हुए]

इस तरह जाते-जाते इस आदमी ने 15 करोड़ रुपये जो भारत सरकार ने दिये थे, हज्म कर लिये। भूतपूर्व सी० एम० डी० बैनर्जी के खिलाफ सी० बी० आई० की इंक्वायरी बैठाई जाए क्योंकि इन्होंने दो महीने के अंदर जाते-जाते लूट मचाई है। यह मेरी मांग है कि इसकी जांच कराई जाए।

REFERENCE TO THE ALLEGED HARASSMENT OF HARIJANS AND RELATIVES OF SHRI HUKMDEO NARAYAN YADAV, M.P. IN BIHAR

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (बिहार): उपसभापति महोदय, मैंने इस सदन में यह बात पहले भी उठाई थी कि बिहार में कुछ पुलिस अधिकारी हरिजनों और मेरे रिश्तेदारों को तंग कर रहे हैं। मैंने सदन में मांग की थी कि इसकी जांच होनी चाहिये। आज मैं फिर इस बात को उठा रहा हूं। मेरे घर की बगल में हरिजनों के घरों में ये लोग आग लगाने वाले हैं। अभी हालत यह है कि उनको मारा जा रहा है, औरतों को पीटा गया है। मेरे तमाम लोगों पर और हरिजनों पर गलत मुकदमें लगाकर उनको परेशान किया जा रहा है। उनको चोरी और डकैती के मामलों में फंसाया जा रहा है। मैं सरकार से फिर से यह मांग करता हूं कि मेरे घर के बगल में जो लोग रहते हैं, जो हरिजन रहते हैं, जहां पर औरतों और बच्चों को मारा जा रहा है, उनको इन अत्याचारों से बचाया जाये और सरकार उनको प्रोटेक्शन दे। जब हम वहां पर नहीं रहते हैं तो उनको चोरी और डकैती के केसों में फंसाया जाता है। पुलिस के अधिकारी उनके घरों में आग लगाने वाले को संरक्षण देते हैं। उन लोगों के साथ इंसाफ नहीं हो रहा है। श्री शिव शंकर मिश्रा भुसकौल गांव के हैं। उनके बहनोई पुलिस में एस० पी० हैं। वे लोग इन लोगों को तंग कर रहे हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इसके लिये कोई न कोई रास्ता निकाला जाये, नहीं तो वहां पर बहुत बड़ा काण्ड हो जायेगा।

श्री रामानन्द यादव (बिहार): श्रीमन्, मैं यह कहना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में सरकार की तरफ से उचित कार्यवाही होनी चाहिये।

STATEMENT BY THE MINISTER

re. Manufacture of telecommunication equipment

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF ELECTRONICS (SHRI M. S. SANJEEVI RAO): Sir,

communications in our country need considerable and significant improvement very rapidly. Communication is the backbone of industrial development and is also necessary for reaching the rural masses. Apart from telephones, other significant forms of communication like telex, data communication, electronic mail, fascimile and of various other types have to be developed very rapidly in our country to meet the aspirations of our people.

One of the major problems facing us in this area is the shortage of equipment